अमर उजाला

रोडवेज बसों से होता था नकली दवाओं का कारोबार

गाजियाबाद ब्यूरो Updated Tue, 10 Apr 2018 10:20 PM IST

रोडवेज बसों से होता था नकली दवाओं का कारोबार
- बिना बिलों के बंद पेटियों की दवाओं की करते थे सप्लाई
- रुड़की से बुलंदशहर दवा लाने के बदले परिचालकों को दिए जाते थे अतिरिक्त रुपये
- पकड़े जाने के भय से किसी भी ट्रांसपोर्ट वाहन का नहीं करते थे प्रयोग

पुनीत शर्मा

बुलंदशहर। नकली दवाओं के काले कारोबार के लिए गैंग द्वारा कभी ट्रांसपोर्ट वाहनों का प्रयोग नहीं किया गया था। दवा की खेप सप्लाई करने के लिए गैंग हमेशा रोडवेज बसों का प्रयोग करता था, क्योंकि इन बसों में कभी भी माल की चेकिंग नहीं की जाती है। रुड़की से बुलंदशहर होकर गुजरने वाली रोडवेज बसों के माध्यम से दवाएं संबंधित जिलों में सप्लाई की जाती थीं।

अमरोहा में औषधि विभाग और पुलिस टीम ने नकली दवाओं के काले कारोबार का खुलासा किया था। अफसरों ने नकली दवाई सप्लाई करने वाले गैंग के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया था। इसमें बुलंदशहर के शास्त्री नगर निवासी नीरज शर्मा को भी गिरफ्तार किया गया था। नीरज शर्मा को साथ लेकर अफसरों ने गत दिनों जिले में छापेमारी की थी। पूरे मामले में सूत्रों ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि नकली दवाओं की सप्लाई के लिए गैंग द्वारा हमेशा रोडवेज बसों का प्रयोग किया जाता था। बताया कि यदि गैंग ट्रांसपोर्ट वाहन या अपने वाहनों का प्रयोग करता तो वह चेकिंग के दौरान पकड़ा जाता, लेकिन रोडवेज बसों में माल की कोई चेकिंग न होने के चलते वह अफसरों की नजरों से बचे रहे। सूत्रों ने बताया कि दवाओं को नियत स्थान पर पहुंचाने के लिए रोडवेज बसों के परिचालकों को किराए से भी अतिरिक्त धनराशि दी जाती थी। रुपयों की लालच में रोडवेज परिचालकों ने कभी कोई संदेह या जांच पड़ताल नहीं की। मुरादाबाद ड्रग इंस्पेक्टर नरेश मोहन दीपक ने बताया कि दवाओं की सप्लाई निजी और ट्रांसपोर्ट वाहनों से नहीं की जाती थी। जिसके चलते गैंग अफसरों की नजरों से बचा रहा। अवैध रूप से रोडवेज बसों में माल ढोने के खिलाफ अफसरों को पत्र लिखा जा रहा है।

Source: https://www.amarujala.com/delhi-ncr/ghaziabad/41523379059-ghaziabad-news